Causes of British Agrarian Revolution.

ब्रिटेन की इस कृषि-क्रान्ति के लिए निम्नलिखित मुख्य कारण थे:-

1. जनसंख्या में आत्यधिक वृद्धि :→ इस प्रकार जनसंख्या की वृद्धि तथा इसके परिणामस्वरूप खाद्यान्नों की मांग में आत्यधिक वृद्धि ने कृषि क्रान्ति के क्षेत्र में आत्यधिक महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। ब्रिटेन की जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप खाद्यान्नों की मांग में भी आशातीत वृद्धि हुई। नेपोलियन के साथ युद्ध के कारण बाहर से खाद्यान्नों का आयात सम्भव नहीं था। ऐसी स्थिति में ब्रिटेन को अपने खाद्यान्नों की अतिरिक्त मांग को देश की कृषि से ही पूरा करने के लिए बाध्य होना पड़ा। अब कृषि की तत्कालिन पद्धति के आधार पर उपज में वृद्धि सम्भव नहीं थी, अतः इस में सुधार लाना आवश्यक हो गया। परिणामस्वरूप इस युग में तीव्र गति से घेराबन्दी आन्दोलन प्रारम्भ हुआ। घेराबन्दी आन्दोलन के परिणामस्वरूप छोटे-छोटे तथा बिखरे खेतों को बड़े-बड़े चकों में मिला दिया गया। इसके बड़े-बड़े फार्म स्थापित किये जाने लगे। इन बड़े-बड़े फार्मों में आधिक पूंजी तथा नये-नये आविष्कारों के आधार पर कृषि की जाने लगी।

Scanned with CamScanner

2. कृषि का पूँजीकरण :→ कृषि के क्षेत्र में पूंजी के प्रयोग ने भी ब्रिटेन में कृषि क्रान्ति के लिए मार्ग तैयार किया। व्यापारवादी पद्धति के अन्तर्गत इस युग के व्यापारियों एवं व्यापारियों ने विदेशी व्यापार से बहुत अधिक धन उपार्जित किया और चूंकि उस समय ब्रिटेन में भूमि सामाजिक प्रतिष्ठा एवं राजनीतिक शक्ति का आधार थी, अतः वे भूमि में पूंजी लगाने लगे। इससे भी कृषि क्षेत्र में सुधारों को प्रोत्साहन मिला।

3. औद्योगिक क्रांति के प्रभाव :→ ब्रिटेन की कृषि-क्रांति के लिए मार्ग प्रशस्त करने में वहां की औद्योगिक क्रान्ति ने भी समुचित सहयोग प्रदान किया। वास्तव में, कृषि एवं औद्योगिक क्रान्तियों में परस्पर घनिष्ठ सम्बन्ध था। 16 वीं एवं 17 वीं शताब्दियों में कृषि के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों ने औद्योगिक क्रान्ति के लिए आधार प्रस्तुत किया।

4. कृषि को राजकीय संरक्षण :- ब्रिटेन की कृषि-क्रान्ति का एक प्रधान कारण खेती के तरीकों में सुधार के लिए राजकीय संरक्षण भी था। कृषि-क्रांति आन्दोलन की सफलता बहुत कुछ कृषि-मण्डल के मंत्री आर्थर यंग के कारण भी जिन्होंने इंगलैण्ड एवं फ्रांस की

विस्तृत मात्रा की ओर विभिन्न जिलों में प्रचलित तरीकों एवं उपायों का तुलनात्मक विवरण प्रकाशित किया। इससे भी कृषि क्रान्ति को बहुत अधिक सहयोग हुआ।

5. खाद्यान्नों की मूल्य में वृद्धि :→ ब्रिटेन के कृषि - क्रान्ति का मुख्य कारण खाद्यान्नों का अधिक मूल्य था। जनसंख्या में वृद्धि के साथ - साथ खाद्यान्नों की माँग बढ़ी और माँग में वृद्धि से मूल्य में भी वृद्धि होने लगी। 1689 ई० के खाद्यान्न सहायता अधिनियम से मूल्य - वृद्धि की प्रवृत्ति को और भी बल मिला। इससे कृषि का कार्य लाभदायक हो गया।

इस प्रकार, इस युग में ब्रिटेन की कृषि - क्रान्ति बहुत से कारणों का परिणाम थी। इन कारणों के परिणामस्वरूप ही उद्योग-धंधों की तरह कृषि के क्षेत्र में भी ब्रिटेन ने यूरोप तथा विश्व के अन्य देशों के पथ - प्रदर्शक के रूप में कार्य किया।

Scanned with CamScanner